कक्षा VII पाठ 1 हज़ार वर्षों के दौरान हुए परिवर्तन की पड़ताल (NCERT)

www.evidyarthi.in

विषय:

- परिचय
- नई और पुरानी शब्दावली
- इतिहासकार और उनके स्रोत
- नए सामाजिक और राजनीतिक समूह

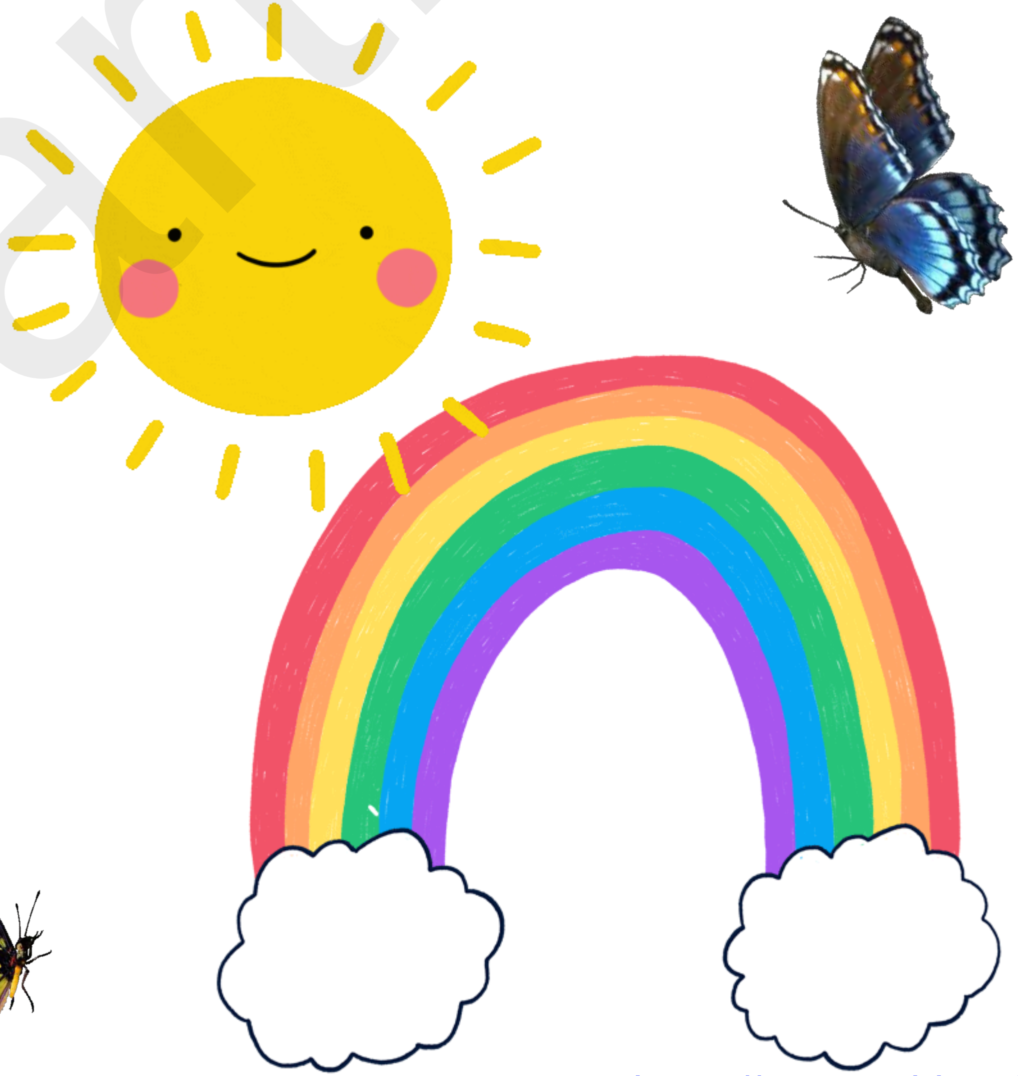

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- क्षेत्र और साम्राज्य
- पुराने और नए धर्म
- समय और इतिहास के कालखंडो पर विचार

evidyarthi

www.evidyarthi.in

परिचय

- अरब भूगोलवेत्ता - (अल-इद्रिस्ट) - ने भारतीय उपमहाद्वीप का नक्शा बनाया।
- एक और फ्रांसीसी मानचित्रकार द्वारा बनाया गया था (दोनों अलग थे)
- नक्शे हमेशा उपमहाद्वीप के अनुसार बदलते रहते हैं।
- यूरोपीय नाविकों और व्यापारियों द्वारा अपनी यात्राओं पर मानचित्रों का उपयोग किया जाता था।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 1 हज़ार वर्षों के दौरान हुए परिवर्तन की पड़ताल (NCERT)

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- इतिहासकार नक्शों, वास्तविक दस्तावेजों, ग्रंथों को अतीत के संदर्भ में बहुत संवेदनशील ढंग से पढ़ते हैं।
- हम अगले हज़ार वर्षों के बारे में पढ़ेंगे, लगभग 700 से 1750 तक।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

नई और पुरानी शब्दावली

- इतिहासकारों ने विभिन्न प्रकार की भाषाओं का उपयोग किया है जो वर्षों से लगातार बदली हैं।

- मध्यकालीन फ़ारसी आधुनिक फ़ारसी से भिन्न है। अंतर केवल व्याकरण और शब्दावली के संबंध में नहीं है; समय के साथ शब्दों के अर्थ भी बदल जाते हैं।

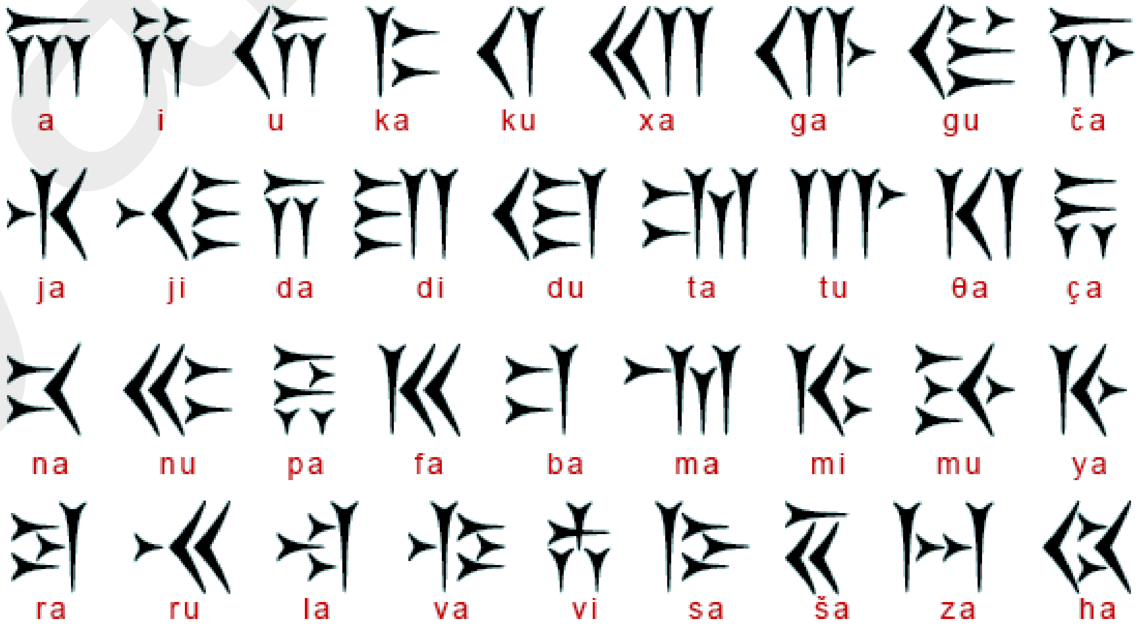

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- उदाहरण के लिए 'हिन्दुस्तान' शब्द को ही लें। आज हम इसे "भारत" के रूप में समझते हैं।
- जब इस शब्द का प्रयोग तेरहवीं शताब्दी में मिन्हाज-ए-सिराज द्वारा किया गया था, जो एक इतिहासकार, जिसने फारसी में लिखा था, का अर्थ पंजाब, हरियाणा के क्षेत्रों, गंगा और यमुना के बीच की भूमि से था।
- 16वीं शताब्दी की शुरुआत में बाबर ने उपमहाद्वीप के निवासियों के भूगोल, जीवों और संस्कृति का वर्णन करने के लिए हिंदुस्तान का इस्तेमाल किया।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

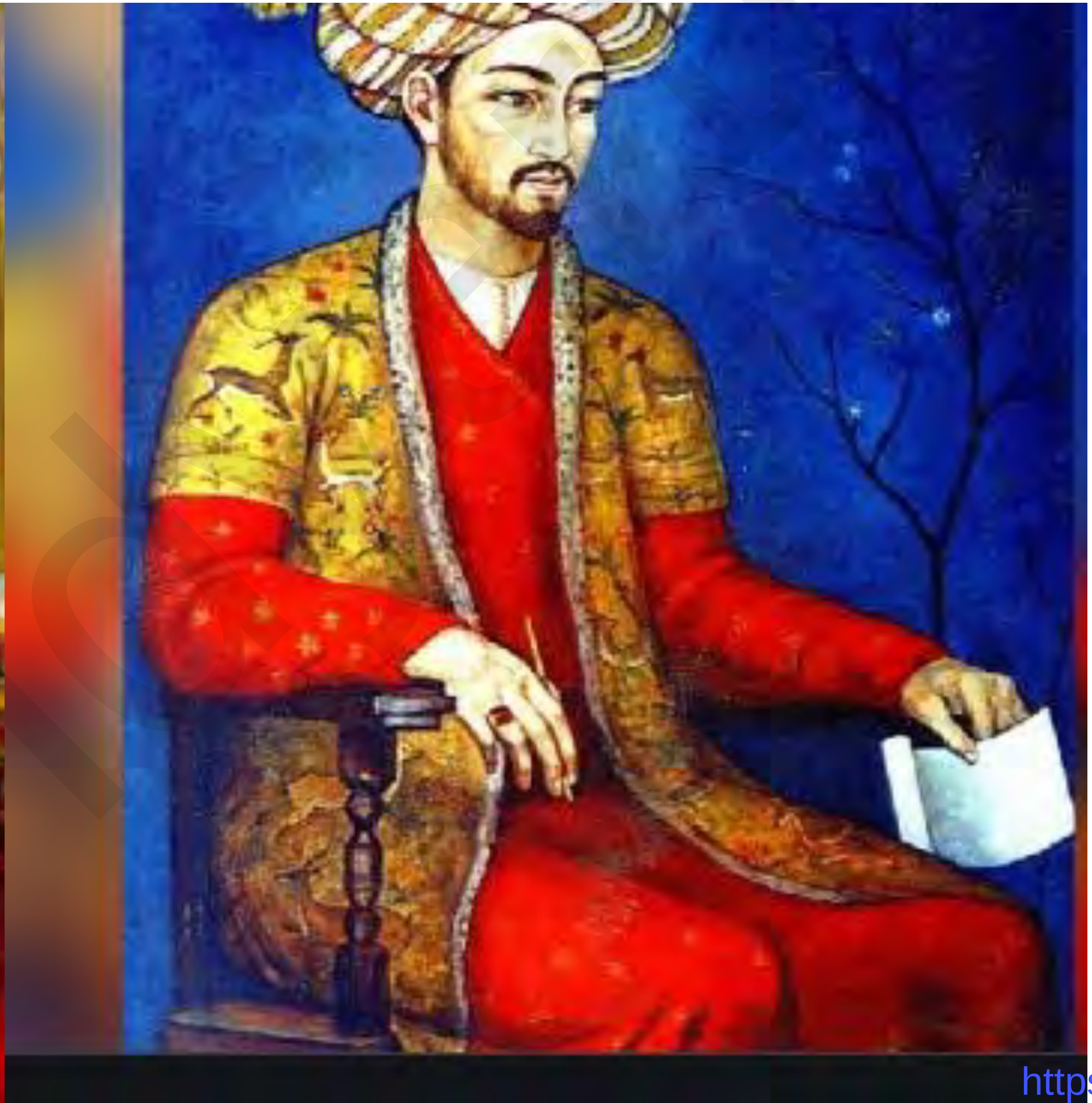

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- कवि अमीर खुसरो ने 14वीं शताब्दी में "हिंद" शब्द का प्रयोग किया था।
- इतिहासकारों को उनके द्वारा उपयोग की जाने वाली शर्तों के बारे में सावधान रहना होगा क्योंकि अतीत में उनका मतलब अलग-अलग चीजों से था।
- विदेशी - परदेसी, अजनबी, गोर।
- इसका मतलब दूसरों से अलग है।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

इतिहासकार और उनके स्रोत

- अतीत के बारे में जानने के लिए इतिहासकार विभिन्न प्रकार के स्रोतों का उपयोग करते हैं।
- कई इतिहासकार अभी भी जानकारी के लिए सिक्कों, शिलालेखों, वास्तुकला और पाठ्य अभिलेखों पर भरोसा करते हैं।
- पाठ्य अभिलेखों में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई। उन्होंने धीरे-धीरे अन्य प्रकार की उपलब्ध सूचनाओं को विस्थापित किया। कागज धीरे-धीरे सस्ता और अधिक व्यापक रूप से उपलब्ध हो गया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 1 हज़ार वर्षों के दौरान हुए परिवर्तन की पड़ताल (NCERT)

www.evidyarthi.in

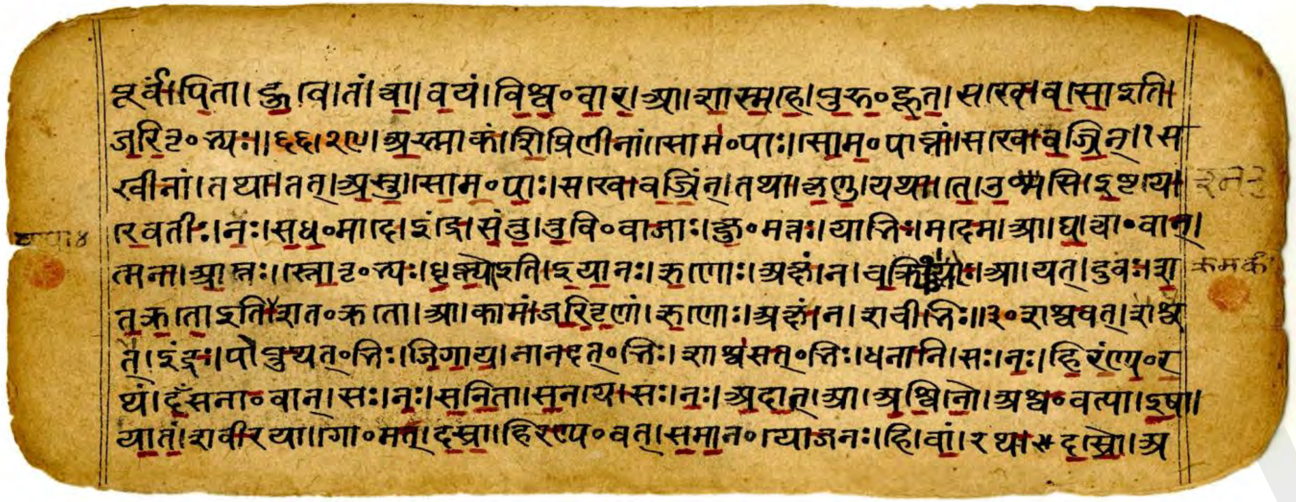

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- लोग इसका उपयोग पवित्र ग्रंथों, शासकों के इतिहास, संतों के पत्र और शिक्षाओं, याचिकाओं और न्यायिक अभिलेखों, खातों और करों के रजिस्टरों को लिखने के लिए करते थे।
- धनी लोगों, शासकों, मठों और मंदिरों द्वारा पांडुलिपियां एकत्र की गईं।
- उन्हें पुस्तकालयों और अभिलेखागार में रखा गया था।
- ये पांडुलिपियां और दस्तावेज इतिहासकारों को बहुत सारी विस्तृत जानकारी प्रदान करते हैं, जिनका उपयोग करना भी मुश्किल है।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

वे पांडुलिपियां एकत्र कर सकते हैं

कक्षा VII पाठ 1 हज़ार वर्षों के दौरान हुए परिवर्तन की पड़ताल (NCERT)

www.evidyarthi.in

अभिलेखागार

पुस्तकालय

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- प्रिंटिंग प्रेस नदारद थी इसलिए लिपिक हाथ से ही उसकी नकल करते थे।
- जैसा कि शास्त्रियों ने पांडुलिपियों की नकल की, वे कभी-कभी कुछ गलती करते हैं जो यहां या वहां एक सदी से अधिक हो गए हैं।
- कई पांडुलिपियों में गलतियों के कारण और अन्य लेखकों द्वारा भी इसकी नकल की गई थी, इतिहासकारों के लिए मूल पांडुलिपि खोजना मुश्किल था।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- 14वीं सदी के इतिहासकार जियाउद्दीन बरनी ने अपना इतिहास पहले 1356 में और दूसरा संस्करण दो साल बाद लिखा।

- दोनों एक दूसरे से भिन्न हैं लेकिन इतिहासकारों को 1960 के दशक तक पहले संस्करण के अस्तित्व के बारे में पता नहीं था। यह बड़े पुस्तकालय संग्रह में खो गया|

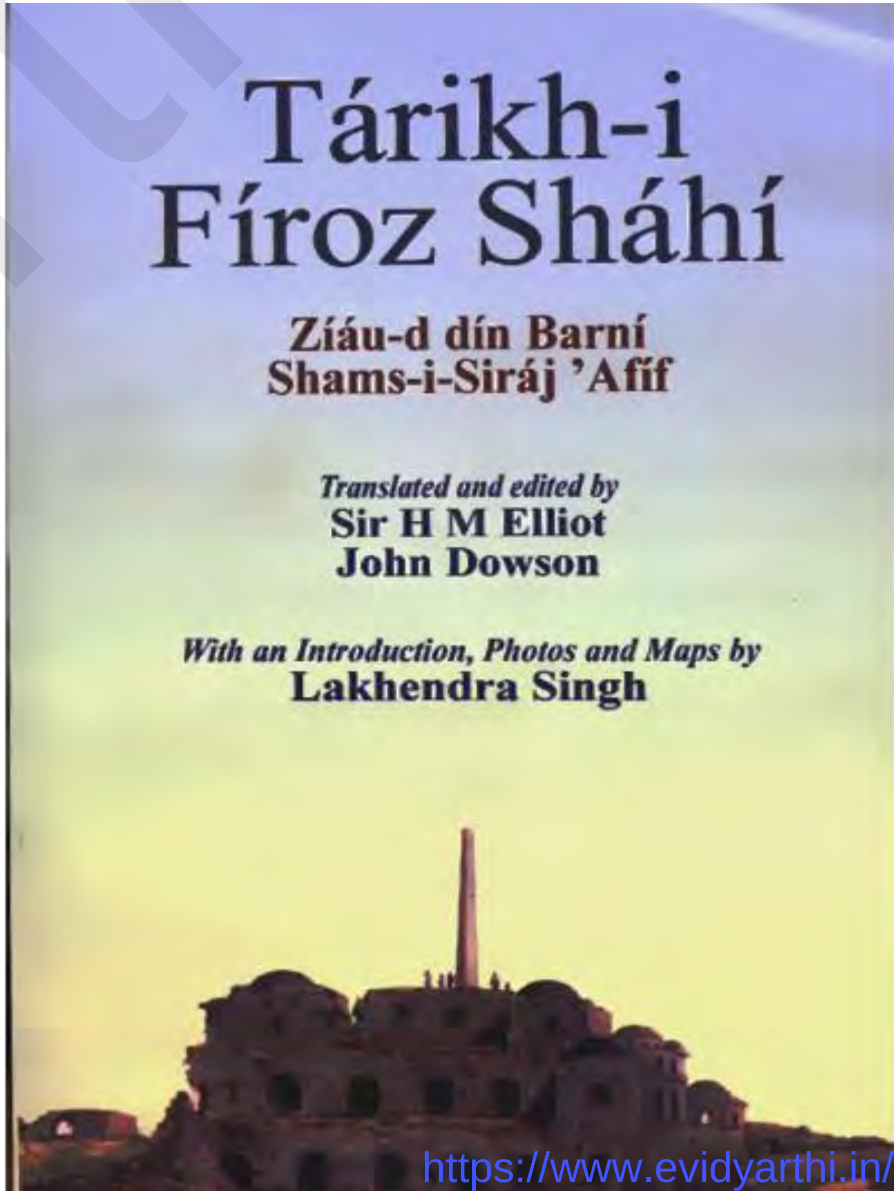

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 1 हज़ार वर्षों के दौरान हुए परिवर्तन की पड़ताल (NCERT)

www.evidyarthi.in

- फारसी पहिया
- चरखा
- आग्नेयास्त्र

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 1 हज़ार वर्षों के दौरान हुए परिवर्तन की पड़ताल (NCERT)

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- नई प्रौद्योगिकियां और फसलें –
लोगों के साथ आईं, उनके साथ विचार लाए।

- यह आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों का दौर था।
- लोगों ने अवसर की तलाश में लंबी दूरी तय की।
- इस काल में जो लोग महत्वपूर्ण हो गए वे राजपूत थे, जो एक शासक के पुत्र "राजपुत्र" से लिया गया नाम था।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- 8वीं से 14 फीसदी के बीच। यह शब्द योद्धाओं, सेनाओं, सैनिकों, सेनापतियों (क्षत्रियों) पर लागू होता था।
- राजपूत महान और वफादारी की भावना के लिए जाने जाते थे।
- मराठा, सिख, जाट, अहोम और कायस्थ जैसे लोगों के अन्य समूहों ने भी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बनने के लिए युग के अवसरों का उपयोग किया।

कक्षा VII पाठ 1 हज़ार वर्षों के दौरान हुए परिवर्तन की पड़ताल (NCERT)

www.evidyarthi.in

- वनों की सफाई और कृषि का विस्तार शुरू हुआ।

- उनके आवास में परिवर्तन ने कई वनवासियों को पलायन करने के लिए मजबूर किया, अन्य ने भूमि जोतना शुरू कर दिया और किसान बन गए। वे धीरे-धीरे क्षेत्रीय बाजारों, सरदारों, पुजारियों, मठों और मंदिरों से प्रभावित होने लगे।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- बड़े, समाजों का हिस्सा बन गए, जिन्हें करों का भुगतान करने, स्थानीय प्रभुओं को वस्तुओं और सेवाओं की पेशकश करने की आवश्यकता थी।
- किसानों के बीच आर्थिक और सामाजिक मतभेद उभरे, कुछ के पास उत्पादक भूमि थी, अन्य के पास मवेशी, कृषि के साथ कारीगरी का काम था।
- लोगों को उनकी पृष्ठभूमि, व्यवसायों के आधार पर जातियों या उप-जातियों में बांटा गया था।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

कुछ खरीद भूमि

कुछ खरीद शिल्प

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- बड़ों (पंचायत) द्वारा लागू सदस्यों को प्रबंधित करने के लिए जातियों के अपने नियम और कानून हैं।

- कई गाँव एक सरदार द्वारा शासित थे। दोनों मिलकर एक राज्य की एक छोटी इकाई थे।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

क्षेत्र और साम्राज्य

- चोल, तुगलक और मुगलों जैसे बड़े राज्यों में कई क्षेत्र शामिल थे।

- बंगाल (पूर्व) से लेकर अफगानिस्तान (पश्चिम) में गजनी तक फैले एक विशाल साम्राज्य के दिल्ली सुल्तान गयासुद्दीन बलबन (1266-1287) के शासक की प्रशंसा करने वाली एक संस्कृत प्रशस्ति और इसमें पूरा दक्षिण भारत शामिल है।

संस्कृत प्रशस्ति

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 1 हज़ार वर्षों के दौरान हुए परिवर्तन की पड़ताल (NCERT)

www.evidyarthi.in

तुगलक

चोल

मुग़ल

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- विभिन्न क्षेत्रों के लोग - गौड़ा, आंध्र, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र और गुजरात - जाहिर तौर पर उसकी सेनाओं के सामने भाग गए।
- 700 तक कई क्षेत्रों में विशिष्ट भौगोलिक आयाम और उनकी अपनी भाषा और सांस्कृतिक विशेषताएं थीं।
- इन राज्यों के बीच काफी संघर्ष था।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- कभी-कभी चोल, खिलजी, तुगलक और मुगल जैसे राजवंश विविध क्षेत्रों वाले साम्राज्य का निर्माण करने में सक्षम थे। ये सभी साम्राज्य समान रूप से स्थिर या सफल नहीं थे।

- कई क्षेत्रों को बड़े और छोटे राज्यों की विरासतों के साथ छोड़ दिया गया था जिन्होंने उन पर शासन किया था।

कक्षा VII पाठ 1 हज़ार वर्षों के दौरान हुए परिवर्तन की पड़ताल (NCERT)

www.evidyarthi.in

सफल

असफल

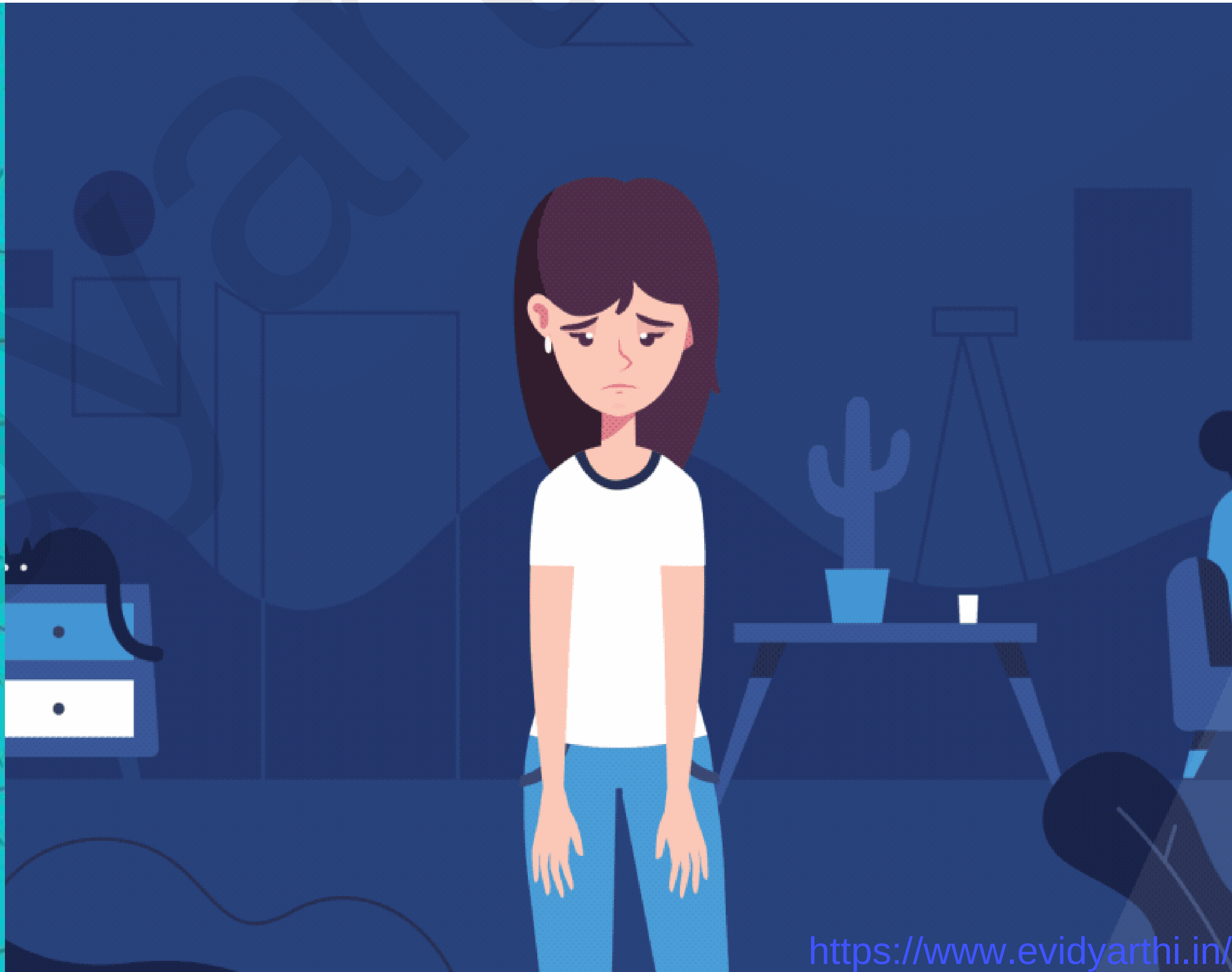

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- कई क्षेत्र विशिष्ट और साझा परंपराओं से भरे हुए थे: शासन के क्षेत्र में, अर्थव्यवस्था के प्रबंधन, कुलीन संस्कृतियों और भाषा में।

INDIA

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

पुराने और नए धर्म

- हज़ार साल के इतिहास में धार्मिक परंपराओं में प्रमुख विकास हुए हैं। इस अवधि के दौरान, जिसे आज हम हिंदू धर्म कहते हैं, उसमें महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए।

- इसमें नए देवताओं की पूजा, राजघरानों द्वारा मंदिरों का निर्माण, ब्राह्मणों, पुजारियों का समाज में प्रमुख समूहों के रूप में महत्व बढ़ रहा है।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- परंपरा में विकास (हिंदुत्व)

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 1 हज़ार वर्षों के दौरान हुए परिवर्तन की पड़ताल (NCERT)

www.evidyarthi.in

देवताओं की पूजा

मंदिरों का निर्माण

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- संस्कृत ग्रंथों के उनके ज्ञान ने ब्राह्मणों को समाज में बहुत सम्मान दिया। उनके संरक्षकों, नए शासकों के समर्थन से उनकी प्रमुख स्थिति मजबूत हुई।

- इस अवधि के प्रमुख विकासों में से एक - भक्ति का विचार - एक प्रेमपूर्ण, व्यक्तिगत देवता का, जिसे भक्त पुजारियों या विस्तृत अनुष्ठानों की सहायता के बिना प्राप्त कर सकते थे।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- उपमहाद्वीप में नए धर्म भी सामने आए। 17वीं शताब्दी में व्यापारियों और प्रवासियों ने पवित्र कुरान की शिक्षाओं को भारत लाया।

- मुसलमान कुरान को अपनी पवित्र पुस्तक मानते हैं और एक ईश्वर, अल्लाह की संप्रभुता को स्वीकार करते हैं, जिसका प्यार, दया और उदारता उन सभी को गले लगाती है जो सामाजिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना उस पर विश्वास करते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

पवित्र कुरान

अल्लाह की इबादत

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- कई शासक इस्लाम और उलमा के संरक्षक थे - विद्वान धर्मशास्त्री और न्यायविद (शिया और सुन्नी मुसलमान)।

- कानून के विभिन्न स्कूलों (मुख्य रूप से भारत में हनफी और शफी) और धर्मशास्त्र और रहस्यवादी परंपराओं के बीच अन्य महत्वपूर्ण अंतर थे।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

समय और इतिहास के कालखंडो पर विचार

- समय सामाजिक और आर्थिक संगठन में परिवर्तन, विचारों और विश्वासों के परिवर्तन को भी दर्शाता है।
- अतीत को बड़े खंडों में विभाजित करके समय के अध्ययन को कुछ हद तक आसान बना दिया गया है – अवधि
- 19वीं शताब्दी के मध्य में। ब्रिटिश इतिहासकारों ने भारत के इतिहास को तीन अवधियों में विभाजित किया: "हिंदू", "मुस्लिम" और "ब्रिटिश"।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 1 हज़ार वर्षों के दौरान हुए परिवर्तन की पड़ताल (NCERT)

www.evidyarthi.in

हिंदू, मुस्लिम, ब्रिटिश

www.evidyarthi.in

- यह विभाजन इस विचार पर आधारित था कि शासकों का धर्म ही एकमात्र महत्वपूर्ण ऐतिहासिक परिवर्तन था, और कोई अन्य महत्वपूर्ण विकास अर्थात अर्थव्यवस्था, समाज या संस्कृति नहीं थी। इस विभाजन ने उपमहाद्वीप की समृद्ध विविधता को भी नजरअंदाज कर दिया।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- पिछले साल आपने जिन इतिहासों को पढ़ा उनमें प्रारंभिक समाजों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी - शिकारी-संग्रहकर्ता, प्रारंभिक किसान, कस्बों और गांवों में रहने वाले लोग, और प्रारंभिक साम्राज्य और राज्य। उन्होंने इस वर्ष का अध्ययन किया जिसे अक्सर "मध्ययुगीन" के रूप में वर्णित किया जाता है।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 1 हज़ार वर्षों के दौरान हुए परिवर्तन की पड़ताल (NCERT)

www.evidyarthi.in

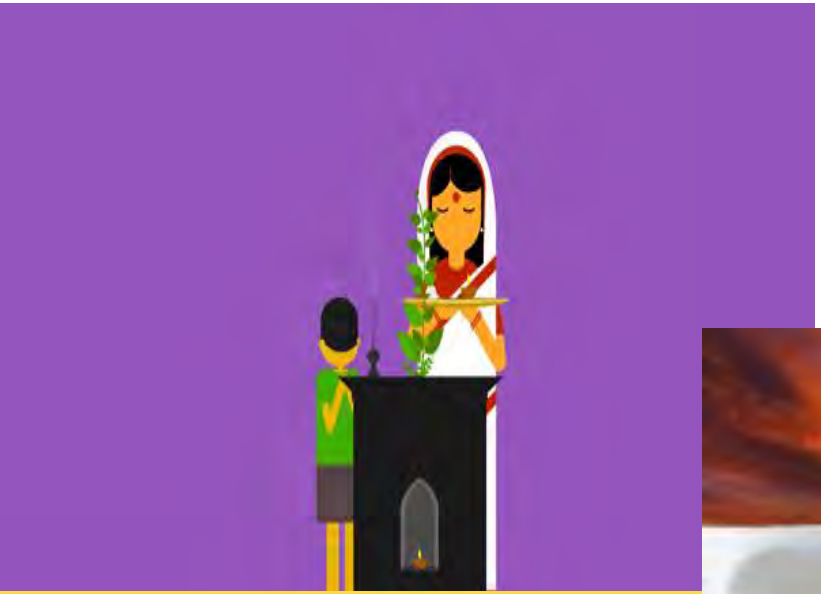

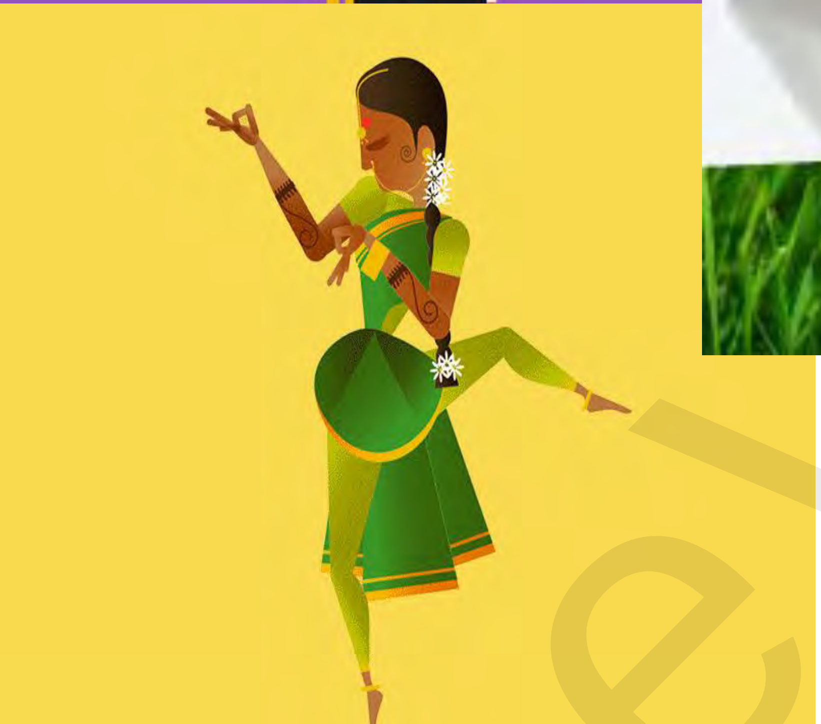

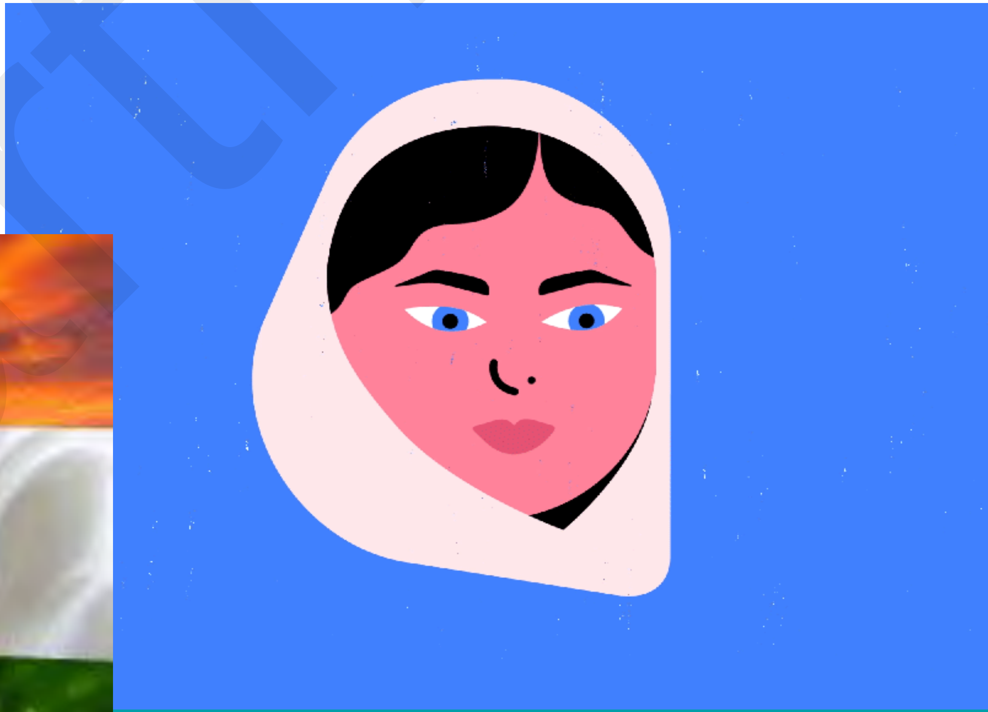

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- "मध्ययुगीन" अवधि अक्सर "आधुनिक" अवधि के साथ विपरीत होती है। "आधुनिकता" अपने साथ भौतिक प्रगति और बौद्धिक उन्नति की भावना रखती है।
- इन हज़ार वर्षों के दौरान उपमहाद्वीप के समाज बदल गए, कई क्षेत्रों में अर्थव्यवस्थाएं समृद्धि के स्तर पर पहुंच गईं जिसने यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों को आकर्षित किया।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 1 हज़ार वर्षों के दौरान हुए परिवर्तन की पड़ताल (NCERT)

www.evidyarthi.in

मध्ययुगीन

आधुनिक

https://www.evidyarthi.in/